आशा के कैदी

कविता

क्योंकि यहोवा गरीबों की सुनता है, और अपने कैदियों को तुच्छ नहीं जानता। भजन 69:33

कैदी की आह तेरे सामने आए; अपनी महान शक्ति के अनुसार तू उन लोगों की रक्षा कर जो मरने के लिए नियुक्त हैं; भजन 79:11

यह आने वाली पीढ़ी के लिए लिखा जाएगा: और जो लोग बनाए जाएंगे वे यहोवा की तारीफ़ करेंगे। क्योंकि उसने अपने पवित्र स्थान की ऊंचाई से नीचे देखा है; स्वर्ग से यहोवा ने पृथ्वी को देखा; कैदी की कराह सुनने के लिए; जिन्हें मौत की सज़ा दी गई है उन्हें आज़ाद करने के लिए; भजन 102:18-20

मेरी आत्मा को जेल से बाहर निकाल, ताकि मैं तेरे नाम की तारीफ़ करूँ: नेक लोग मुझे घेर लेंगे; क्योंकि तू मेरे साथ अच्छा बर्ताव करेगा। भजन 142:7

धन्य है वह जिसकी सहायता के लिए याकूब का परमेश्वर है, जिसकी आशा उसके परमेश्वर यहोवा पर है: जिसने स्वर्ग, और पृथ्वी, समुद्र, और जो कुछ उसमें है, सब बनाया: जो सदा सत्य पर चलता है: जो दबे-कुचले लोगों का न्याय करता है: जो भूखों को भोजन देता है। यहोवा कैदियों को छुड़ाता है: भजन 146:5-7

नबियों

परमेश्वर यहोवा, जिसने आसमान बनाया और उसे फैलाया; जिसने धरती और उससे जो कुछ पैदा होता है, उसे फैलाया; जो उस पर रहने वालों को सांस और उस पर चलने वालों को आत्मा देता है, वह कहता है: मुझ यहोवा ने तुझे नेकी में बुलाया है, और तेरा हाथ थामूंगा, और तेरी रक्षा करूंगा, और तुझे लोगों के लिए एक करार और गैर-यहूदियों के लिए रोशनी बनाऊंगा; ताकि अंधों की आंखें खोलूं, कैदियों को जेल से निकालूं, और जो अंधेरे में बैठे हैं उन्हें जेल से निकालूं। यशायाह 42:5-7

प्रभु परमेश्वर की आत्मा मुझ पर है; क्योंकि प्रभु ने मुझे नम्र लोगों को खुशखबरी सुनाने के लिए चुना है; उसने मुझे टूटे दिल वालों को ढांढस बंधाने, कैदियों को आज़ादी का ऐलान करने और बंधे हुए लोगों के लिए जेल खोलने के लिए भेजा है; यशायाह 61:1

और तेरे वाचा के लहू से मैंने तेरे कैदियों को उस गड्ढे से बाहर निकाला है जिसमें पानी नहीं है। हे उम्मीद के कैदियों, तुम गढ़ की ओर मुड़ो: आज भी मैं कहता हूँ कि मैं तुम्हें दोगुना दूँगा; जकर्याह 9:11-12

गॉस्पेल

तब राजा अपनी दाहिनी ओर वालों से कहेगा, "हे मेरे पिता के धन्य लोगों, आओ, उस राज्य के वारिस बनो जो दुनिया की शुरुआत से तुम्हारे लिए तैयार किया गया है। क्योंकि मैं भूखा था, और तुमने मुझे खाना दिया; मैं प्यासा था, और तुमने मुझे पानी पिलाया; मैं अजनबी था, और तुमने मुझे अपने घर में ठहराया; मैं नंगा था, और

तुमने मुझे कपड़े पहनाए; मैं बीमार था, और तुमने मेरी देखभाल की; मैं जेल में था, और तुम मेरे पास आए।" तब नेक लोग उसे जवाब देंगे, "हे प्रभु, हमने तुम्हें कब भूखा देखा, और तुम्हें खाना खिलाया? या प्यासा देखा, और तुम्हें पानी पिलाया? हमने तुम्हें कब अजनबी देखा, और तुम्हें अपने घर में ठहराया? या नंगा देखा, और कपड़े पहनाए? या हमने तुम्हें कब बीमार, या जेल में देखा, और तुम्हारे पास आए?" और राजा उन्हें जवाब देगा, "मैं तुमसे सच कहता हूँ, क्योंकि तुमने मेरे इन छोटे से छोटे भाइयों में से किसी एक के साथ ऐसा किया है, तुमने मेरे साथ ऐसा किया है।" मैथ्यू 25:34-40

फिर उसने उनसे कहा, " एक देश दूसरे देश पर और एक राज्य दूसरे राज्य पर हमला करेगा। और अलग-अलग जगहों पर बड़े भूकंप आएंगे, और अकाल और महामारी फैलेगी; और आसमान से डरावने नज़ारे और बड़े निशान दिखेंगे। लेकिन इन सबसे पहले, वे तुम पर हाथ डालेंगे, और तुम्हें सताएंगे, तुम्हें सभाओं में सौंपेंगे, और जेलों में डालेंगे, और मेरे नाम की वजह से राजाओं और हाकिमों के सामने ले जाएंगे। और यह तुम्हारे लिए गवाही बन जाएगा।" लूका 21:10-13

अधिनियमों

तब महायाजक और उसके साथ के सब लोग (जो सदूकियों का पंथ था) गुस्से से भरकर उठे और प्रेरितों पर हाथ रखकर उन्हें आम जेल में डाल दिया। लेकिन रात में प्रभु के दूत ने जेल के दरवाज़े खोलकर उन्हें बाहर निकाला और कहा, जाओ, मंदिर में खड़े होकर लोगों को इस जीवन की सारी बातें बताओ। प्रेरितों के काम 5:17-20

इसलिए पीटर को जेल में रखा गया: लेकिन चर्च लगातार उसके लिए भगवान से प्रार्थना कर रहा था। और जब हेरोदेस उसे बाहर लाना चाहता था, उसी रात पीटर दो सैनिकों के बीच दो जंजीरों से बंधा हुआ सो रहा था: और दरवाज़े के सामने पहरेदार जेल की रखवाली कर रहे थे। और, देखो, प्रभु का दूत उसके पास आया, और जेल में रोशनी चमकी: और उसने पीटर की बगल में मारा, और उसे उठाते हुए कहा, जल्दी उठो। और उसके हाथों से जंजीरें गिर गईं। लेकिन उसने हाथ से उन्हें चुप रहने का इशारा किया, और उन्हें बताया कि प्रभु उसे जेल से कैसे बाहर लाया है। और उसने कहा, जाओ ये बातें याकूब और भाइयों को बताओ। और वह चला गया, और दूसरी जगह चला गया। प्रेरितों के काम 12:5-7,17

और जब उन्होंने उन पर बहुत मार खाई, तो उन्होंने उन्हें जेल में डाल दिया, और जेलर को उन्हें सुरक्षित रखने का हुक्म दिया। जेलर को यह हुक्म मिला, तो उसने उन्हें अंदर की जेल में डाल दिया, और उनके पैर काठ में ठूंस दिए। और आधी रात को पॉल और सीलास ने प्रार्थना की, और परमेश्वर की स्तुति में गीत गाए: और कैदियों ने उन्हें सुना। और अचानक एक बड़ा भूकंप आया, जिससे जेल की नींव हिल गई: और तुरंत सभी दरवाज़े खुल गए, और सबके बंधन खुल गए। और जेल का दरबान नींद से जागा, और जेल के दरवाज़े खुले देखकर, उसने अपनी तलवार निकाली, और यह सोचकर कि कैदी भाग गए हैं, खुद को मार डालना चाहता था। लेकिन पॉल ने ऊँची आवाज़ में कहा, "अपने आप को कोई नुकसान न पहुँचाओ: क्योंकि हम सब यहाँ हैं।" तब उसने रोशनी मँगवाई, और अंदर कूदा, और काँपता हुआ आया, और पॉल और सीलास के सामने गिर पड़ा, और उन्हें बाहर ले आया, और कहा, "सज्जनों, बचने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?" और उन्होंने कहा, प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करो, और तुम और तुम्हारा घर बच जाएगा। और उन्होंने उसे और उसके घर के सभी लोगों को प्रभु का वचन सुनाया। और उसने रात के उसी घंटे उन्हें ले जाकर उनके घाव धोए; और उसने और उसके सभी लोगों ने तुरंत बपतिस्मा लिया। और जब वह उन्हें अपने घर ले आया, तो उसने उनके सामने खाना परोसा, और अपने पूरे घर के साथ परमेश्वर पर विश्वास करके खुश हुआ। प्रेरितों के काम 16:23-34

पत्र

क्या वे मसीह के सेवक हैं? (मैं मूर्ख की तरह बोल रहा हूँ) मैं उनसे ज़्यादा हूँ; ज़्यादा मेहनत में, ज़्यादा मार खाने में, ज़्यादा बार जेल जाने में, बार-बार मौत में। 2 कुरिन्थियों 11:23

इसलिए मैं, जो प्रभु का कैदी हूँ, तुमसे विनती करता हूँ कि जिस बुलावे से तुम बुलाए गए हो, उसके लायक चलो। पूरी दीनता और नरमी के साथ, सब्र रखते हुए, प्यार से एक-दूसरे को सहते हुए; शांति के बंधन में आत्मा की एकता बनाए रखने की कोशिश करते हुए। इफिसियों 4:1-3

इसलिए तुम हमारे प्रभु की गवाही से, और न ही मुझसे, जो उसका कैदी हूँ, शर्मिंदा मत हो; बल्कि परमेश्वर की शक्ति के अनुसार सुसमाचार के दुखों में भागीदार बनो; जिसने हमें बचाया है, और हमें एक पवित्र बुलाहट के साथ बुलाया है, हमारे कामों के अनुसार नहीं, बल्कि अपने ही मकसद और कृपा के अनुसार, जो हमें मसीह यीशु में दुनिया के शुरू होने से पहले दी गई थी, लेकिन अब हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह के प्रकट होने से स्पष्ट हो गई है, जिसने मौत को खत्म कर दिया है, और सुसमाचार के माध्यम से जीवन और अमरता को प्रकाश में लाया है: जिसके लिए मुझे गैर-यहूदियों का उपदेशक, और प्रेरित, और शिक्षक नियुक्त किया गया है। 2 तीमुथियुस 1:8-11

पौलुस, जो यीशु मसीह का कैदी है, और हमारे भाई तीमुथियुस की ओर से, हमारे प्यारे और साथी मज़दूर फिलेमोन को, फिर भी प्यार के लिए मैं तुमसे विनती करता हूँ, क्योंकि मैं भी बूढ़ा पौलुस हूँ, और अब यीशु मसीह का कैदी भी हूँ। फिलेमोन 1:1,9

जो दुख तुम झेलोगे, उनसे मत डरो: देखो, शैतान तुममें से कुछ को जेल में डालेगा, ताकि तुम परखे जाओ; और तुम्हें दस दिन तक तकलीफ़ होगी: मरते दम तक वफ़ादार रहो, और मैं तुम्हें ज़िंदगी का ताज दूँगा। प्रकाशितवाक्य 2:10